The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 6 | June 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

महिला विकास योजना में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की भूमिका: दुर्ग संभाग के विशेष संदर्भ में

डॉ. वन्दना श्रीवास

सहा. प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान नवीन शासकीय महाविद्यालय नगपुरा, दुर्ग (छ.ग.)

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.15861831

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 29-06-2025

Published: 10-07-2025

Keywords:

शासकीय एवं अशासकीय योजनाएं, सशक्तिकरण, महिला स्तिथि में सुधार एवं वृद्धि

ABSTRACT

छतीसगढ़ राज्य के दुर्ग संभाग में सरकार के द्वारा महिलाओं के विकास के लिए विभिन्न योजनायें और कार्यक्रम समयानुसार संचालित किया जाता है| इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी के महिलाओं को सशक्त एवं सुदृढ़ बनाने और आर्थिक , राजनीतिक और सामाजिक स्तिथि में सुधार करने के लिए किया जाता है| ताकि सभी महिलायें आतमनिर्भर हो, जिससे एक आदर्श समाज, राज्य और राष्ट्र निर्माण करने में सहायक हो | राज्य में शासकीय योजनाओं के साथ-साथ कई एनजीओ (NGO) भी चलाए जाते है जो महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न के क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभा रहे है | और सभी वर्ग की महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए समर्पित है| वर्तमान समय में दुर्ग संभाग के ग्रामीण ओर शहरी क्षेत्रों महिलायें देश में ही नहीं वरन पूरे विश्व में अपने कार्यों से परचम लहरा रही है | विकास एवं समृद्धि में महिलायें विविध क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही है|

प्रस्तावना :

भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में हर वर्ष 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस मनाया जाता है जिसे हम सभी राज्योत्सव के रूप में प्रतिवर्ष मानते है भारत के राष्ट्रपति ने 25 अगस्त को मध्य प्रदेश

पुनर्गठन अधिनियम 2000 को अपनी सहमति दी और भारत सरकार ने 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ को मध्य प्रदेश से अलग किया | प्राचीन समय मे इसका पौराणिक नाम कौशल राज्य के नाम से जाना जाता था | सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संशाधनों से समृद्ध छत्तीसगढ़ राज्य में महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण, संरक्षण का महत्वपूर्ण दायित्व विभाग को दिया गया है| राज्य के एकीकृत विकास परियोजनाओं के सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी क्रियान्वयन का दायित्व विभाग द्वारा निर्वहन किया जा रहा है| विभाग की योजना और कार्यक्रम की गुणवत्ता उन्नयन, सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक सभागिता, समन्वय एवं प्रभावी पहुँच पर केंद्रित रहे है| विकास के मुद्दों के साथ-साथ सशक्तिकरण और संरक्षण की दिशा में भी विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है| विकास और संरक्षण की दिशा निरंतर अग्रसर हो रही है एवं बेहतर पीढ़ीयों के निर्माण करने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है सहयोगी विभागों, स्वयं सेवी संगठनों, विषय विशेषज्ञों के साथ समन्वय से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है| दुर्ग संभाग में छत्तीसगढ़ के पाँच जिले है : दुर्ग, बलोद, बेमेतरा, राजनांदगाँव और कबीरधाम (कवर्धा) | दुर्ग संभाग की स्थापना 1जनवरी 1906 को हुई थी जब रायपुर और बिलासपुर जिलों से कुछ क्षेत्रो लेकर इसे बनाया गया था| छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग संभाग में की तहसीलें, विकासखण्ड, ग्राम पंचायत और नगर निगम शामिल है | दुर्ग जिला छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास का अग्रदूत मन जाता है |

*ग्राम एवं पंचायत : दुर्ग जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतें है : अंजोर, ढाबा, नगपूरा और बोरई|

*विकासखंड : दुर्ग जिले में दुर्ग, धमधा, पाटन विकासखंड है|

*सीमाएं : दुर्ग जिले की सीमाएं राजनांदगॉव, रायपुर, बेमेतरा, बलोद, धमतरी को स्पर्श करती है|

छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग संभाग

क्र.	अनुभाग	तहसील	विकासखण्ड	नगरीय निकाय	ग्राम पंचायतें
1.	3	3	3	9	297

दुर्ग संभाग में ग्रामीण महिलाओं की साक्षरता दर छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे अधिक है :

छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग संभाग- संख्या और साक्षरता

क्र	क्षेत्र	संख्या	साक्षरता
1.	ग्रामीण जनसंख्या	6,17,248(34.84%)	75.01%
2.	शहरी जनसंखया	11,04,700 (64.16%)	75.01%

उदेश्य :

* योजनाओं के माध्यम से सभी वर्ग की महिलाओं जीवन स्तर में सुधार लाना |

*शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना |

*महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए जागरूक करना |

*महिलाओं को आत्म निर्भर बनाना |

अध्ययन का महत्व :- प्रस्तावित अध्ययन में महिला विकास के विभिन्न पहलुओं को लिया गया है जिसमें महिला सशक्तिकरण ओर विकास से सबंधित है| शासकीय एवं अशासकीय दोनों ही महिला विकास मे अपनी भूमिका निभा रहे है| वर्तमान मे महिला के विकास में वृद्धि और उनके स्तिथि के बारे मे जानने का प्रयास किया गया है| यह अध्ययन द्वितीयक स्रोत पर आधारित है|

प्राचीन समय मे हमारे यहां महिलाओं को पवित्रता की मूर्ति मन गया है समयानुसार भारतीय सभ्यता में स्त्रीयों को सही न्याय और उनके अधिकार न मिलने के कारण उनकी स्तिथि ठीक नही थी | किसी न किसी तरह से सामाजिक प्रवृत्तियाँ महिलाओं को दबाने और उनकी स्तिथि, स्वास्थ्य सेवाओं, राजनीतिक भागीदारी और समान अवसरों से वंचित करने का प्रयास किया गया | लैंगिक समानता भी इसका एक प्रमुख कारण था | यदि पूर्व में संजाम का आकलन किया जी तो परिवार और समाज में सिर्फ पुरुषों का ही आधिपत्य था स्त्रीयों को हीन भवन से देखा जाता था उसे कई चीजों से वंचित किया जाता था |

दुर्ग संभाग में महिलाओं के विकास के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त और आत्म निर्भर बनाने के लिए शासकीय और गैर शासकीय विभिन्न संस्थाओं द्वारा अथक प्रयास किए जा रहे है दुर्ग में जिला प्रशासन की निगरानी में महिलाओ की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ अन्य के क्षेत्र में भी इनकी भागीदारी में वृदधि हुई है | छत्तीसगढ़ राज्य में वर्तमान समय मे महिलाओं का स्वरूप बहुयामी क्षेत्रों में अलग-अलग पाया गया है | वह विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही है| राज्य में शासकीय एवं अशासकीय योजनाएं (एनजीओ) विभिन्न प्रकार की

होती है जो महिला विकास के लिए कार्य कर रही है जिसमें सामाजिक, आर्थिक उन्नति, शिक्षा, व्यवसाय, राजनीति में भागीदारी, कला और विज्ञान के क्षेत्र में, खेल और अन्य क्षेत्रों मे अपनी आज अलग पहचान बनाएं हुए है | महिला विकास एक बहुयामी अवधारणा है जो महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और व्यतिगत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार किए हुए है| यह महियाओं की स्तिथि में सुधार करके, उन्हे सशक्त बनाकर और उनके अधिकारों के साथ समान अवसरों को सुनिश्चित करने का काम करता है|

*महिलाओं की स्तिथि में सुधार : महिलाओं विकास का प्रमुख लक्ष्य महिलाओं की स्तिथि को और बेहतर बनाना है परिवार, समाज जो अक्सर पाया गया है कुछ महिलायें सामान्य कारणों के वजह से सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हो जाती है इनकी स्तिथि में सुधार के लिए प्रमुख रूप से इनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार, और आर्थिक सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में सुधार को सम्मिलित किया गया है|

*सशक्तिकरण : महिला विकास का महत्वपूर्ण पहलू में महिलाओं को सशक्त बनाना है| महिलाओं को अपने जीवन मे आत्मनिर्भर बनाना और स्वयं के लिए लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है जिससे समाज मे उनकी सठिठि मजबूत हो| जिससे महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक क्षेत्रों में बढ़ावा मिल सके |

*समान अवसर : महिला विकास यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं को भी पुरुषों के समान ही अवसर प्राप्त हो | इसमें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों में समान अधिकार शामिल है| जिससे समाज मे पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिल कर चल सके|

*भेदभाव को दूर करना : महिला विकास का लक्ष्य महिलाओं के विरुद्ध समाज से भेदभाव को मिटाना है | परिवार के साथ-साथ समाज मे भी यह भेदभाव देखा गया है इसमें लैंगिक भेदभाव, घरेलू कार्य और हिंसा ये सारी चीजे देखी जाती है जो महिलाओं को बोझ समझ जाता है|

*सामाजिक परिवर्तन : महिला विकास सामाजिक परिवर्तनों को भी बढ़ावा देता है| इसमें महिलाओं की भूमिका को मान्यता देना, सामाजिक मानदंडों को चुनौती देना और महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना शामिल है जैसे :- शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य एवं राजनीति भागीदारी ये महिला विकास के लिए महत्व पूर्ण आयाम है| जिसमें महिलाओं को शिक्षित करना और उनके लक्ष को सुनिश्चित करना इसमे महिलायें आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकती है जिससे सामाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा

सके साथ ही रोजगार मे अवसर प्राप्त कर सके| रोजगार के माध्यम से अपनी आर्थिक उन्नति कर सकती है परिवार और समाज में अपना सम्मान जनक स्थान बना सकती है | महिला विकास में ही स्वास्थ्य का विशेष महत्व है आज की महिला राजनीति में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की होढ़ मे लगी है और अपनी सक्रिय भूमिका निभा भी रही है आज की नारी अपने हितों और अधिकारों की रक्षा स्वयं कर सकती है|

क्र.	शासकीय योजनाएं	अशासकीय योजनाएं
1.	महिला समृद्धि योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय महिला कोष, वन स्टॉप सेंटेर इत्यादि ऐसी और भी कई योजना है जो राज्य में संचालित है|	शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, कौशल विकास, कल्याणकारी संगठन इत्यादि ऐसी और भी कई एनजीओ है जो राज्य में संचालित है| (स्थानीय स्तर पर कार्य करना एवं सरकारी योजनाओं के साथ सहयोग)

वैसे तो छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 1300 से अधिक पंजीकृत गैर सरकारी संगठन है और ये एनजीओ (NGO) विभिन्न क्षेत्रों में काम करते है परंतु दुर्ग, छत्तीसगढ़ भारत में लगभग 150 से अधिक एनजीओ (NGO) है ये एनजीओ (NGO) एक बड़े समुदाय के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है | एनजीओ (NGO) नागरिक भागीदारी का ही एक रूप है वे आमतौर से नागरिकों से ही मिलकर बने होते है जो एक ही दृष्टिकोण और उदेश्य को साझा करते है जिनका उद्देश्य व्यक्तियों और समूहों की गुणवक्ता में सुधार करना है ये उन लोगों को सहायता प्रदान करते है जिन्हे इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है वर्तमान में दुर्ग में कई एनजीओ (NGO) है जो दुर्ग संभाग मे निवास कर रहे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य करते है इनमें से कुछ संगठन आवास, शिक्षा, और स्वास्थ्य सेवा में सहायता प्रदान करते है इस संगठन के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाना है संगठन के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं साक्षरता, परिवार कल्याण, महिलाओं और बच्चों की आर्थिक स्तिथि में सुधार करने, दिव्यांग, वृद्ध और बुजुर्ग, महिला सशक्तिकरण, व्यावसायिक परीक्षण, महिला विकास, आवास, मानवाधिकार, कानूनी जागरूकता एवं सहायता, पर्यावरण और वन, कृषि शहरी एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, कला, संस्कृति खेल विज्ञान, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन से लेकर समाज के जरूरतमंद और कमजोर वर्ग, नशामुक्ति, इत्यादि संगठन के लिए काम करने के सदैव लिए सदैव समर्पित है|

महिला विकास योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन : छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग संभाग में महिला विकास का विश्लेषण विभिन्न दृष्टिकोण से किया जाता है जिसमें शासकीय और अशासकीय दोनों ही योजनाओं के माध्यम से महिला विकास संभव है| जिनमें महिला आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा, सुरक्षा, एवं अधिकार महत्वपूर्ण है महिला विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक तत्वों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों का होना अनिवार्य है महिलाओं को शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से आर्थिक स्तिथि को मजबूत किया जा सकता है| लाँगिक समानता को बढ़ावा देना भी आवश्यक है जिससे महिलाओं का सामाजिक और राजनीतिक जीवन स्तर को सशक्त बनाया जा सके| विकास के क्रम को यदि देखा जाए तो शिक्षा एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है जिसके माध्यम से जीवन में आने वाली हर चुनौतीओं का सामना करने के लिए तैयार किया जा सकता है महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना भी अनिवार्य है समयानुसार शिक्षा, कार्यक्रम और योजनाओं के माध्यम से सजक किया जा सकता है तथा परिवार से सबंधित जानकारी दी जा सकती है | शासकीय योजनाओं के तहत स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्त्री से सबंधित पोषण, प्रजनन और परिवार नियोजन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जाता है| समाज में महिलाओं को हिंसा, शोषण और भेदभाव को दूर करने के लिए नीतिओ और कानून बनाए गए है जिसके माध्यम से सभी महिलाओं को सुरक्षा प्रदान किया जा सके है| साथ ही अपने अधिकारों का सही उपयोग भी कर सके महिलाओं को स्वयं के विकास के लिए मूल अधिकार के साथ-साथ कानून भी बनाए गए है जिसके माध्यम से वह अपने व्यक्तितव का विकास कर सकती है| समाज में कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा जैसी समस्याएं को जड़ से खत्म करना होगा तभी महिलाओं का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए पुरुषों के समान ही अवसर, अधिकार देने वाले विभिन्न नीति और नियम विकसित करने की जरूरत है सशक्त महिलाओं के महत्व को समझते हुए शिक्षण संस्थानों से उचित सहायता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए वर्तमान मे महिलाओं को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है|

निष्कर्ष :

दुर्ग छत्तीसगढ़ में भी शासकीय योजनाओं के साथ साथ कई अशासकीय योजना (एनजीओ) काम करते है जो विभिन्न प्रकार की योजनाओं चला रहे है| ये सभी योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास में मदद करती है| शहरी और ग्रामीण महिला विकास योजना एक व्यापक योजना है जो महिलाओं को

आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त बनाने के लिए कई कार्यक्रम संचालित करती है | वर्तमान समय में लघु उद्योग, प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं में परिवर्तन देखा जा रहा है समयानुसार महिलाओं की शैक्षणिक स्तिथि में वृद्धि और अच्छे जीवन स्तर, सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक परिवर्तन के कारण ही उनकी जीवन शैली में बदलाव को पाया गया है | जीवन के हर क्षेत्र में आज की नारी पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिल कर चल रही है| अपने मेहनत, आत्मविश्वास, लगन, समर्पण के कारण ही समाज, राज्य, और राष्ट्र में अपना स्थान बनाए हुए है| पहले महिलाओं को पुरुषों के साथ समानता का दर्जा प्राप्त हुआ समाज में इनकी स्तिथि में विशेष रूप से सुधार हुआ आज की नारी सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रही है चाहे वह रजिनीति या आर्थिक, सामाजिक या शिक्षा के क्षेत्र हो|आज मई महिला शहरी और ग्रामीण दोनों ही जगह में अपना अस्तित्व बना रही है| महिलायें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है| यह समझने की जरूरत है कि महिलायें मानव प्रजाति की कुंजी है| उन्हे सभ्यता की रीढ़ माना जाना चाहिए | महिला विकास एक व्यापक और जटिल विषय है जिसमें विभिन्न दृष्टिकोणों और विचारों के माध्यम से देखा जा सकता है महिला विकास को बढ़ावा देने के लिए लैंगिक समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक अवसरों तक पहुँच को सुनिश्चित करना आवश्यक है|

संदर्भ सूची :

1. https://en.wikipedia.org
2. https://durg.gov.in.com
3. मुक्ता गोयल समृद्धि :जर्नल ऑफ सोसायटी एण्ड एम्पावरमेंट1 (1),42-54,2021
4. महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मोदी विजन ई-बुक्स74 , 2024
5. प्रशासकीय प्रतिवेदन2022 - 23महिला एवं बाल विकास
6. https://www.ngo4you.com